# स्टेम कोशिका से अंधत्व का इलाज

मानव भ्रूण स्टेम कोशिका की खोज 13 साल पहले हुई थी। अब चिकित्सा में इनकी संभावनाएं सामने आने लगी हैं। आंखों के विकार से ग्रस्त दो व्यक्तियों ने बताया कि भ्रूण स्टेम कोशिका से निर्मित रेटिनल पिगमेंट एपिथीलियल कोशिका प्रत्यारोपण के चार महीने के भीतर ही उनकी देखने की क्षमता में वृद्धि हुई है। यह उपचार सुरक्षित है और इसमें किसी ट्यूमर, अस्वीकारण या सूजन के संकेत नहीं हैं।

पहले चिकित्सा कार्य में भ्रूण स्टेम कोशिका सफल नहीं हो पाई थीं। मगर मैसाचुसेट्स के एडवांस सेल टेक्नॉलॉजी के रॉबर्ट लैंज़ा और उनके साथियों द्वारा विकसित प्रक्रिया इस मामले में एक महत्त्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ है।

इस ट्रॉयल में जिस महिला को लिया गया था उसे एक आनुवंशिक बीमारी है जिसमें आंखों की रंजक कोशिकाएं सूख जाती हैं। भ्रूण स्टेम कोशिका से निर्मित रेटिनल पिगमेंट एपिथीलियल कोशिका को उनकी एक आंख में प्रविष्ट कराया गया। इस ऑपरेशन के बाद वे मानक दृष्टि चार्ट में पांच अक्षर पहचान पाईं जो पहले नहीं कर पाती थीं।

महिला ने यह भी बताया कि उपचारित आंख से वे ज़्यादा से ज़्यादा रंग देख सकती हैं और साथ ही कॉन्ट्रास्ट भी बेहतर है और अंधेरे से अनुकूलन भी। वे अपने कंप्यूटर का इस्तेमाल करने के अलावा घड़ी भी पढ़ पा रही हैं।

इस ट्रॉयल में दूसरा केस उम्र के कारण आंखों की क्षति से ग्रस्त एक महिला का है। उन्होंने भी दृष्टि में सुधार होना बताया है। वे मानक दृष्टि चार्ट के अंकों को पढ़ पाईं जिन्हें उपचार से पहले पढ़ना मुश्किल था।

ये उपलब्धियां छोटी ही सही मगर इस शोध से जुड़े शोधकर्ताओं के लिए बहुत महत्त्व रखती हैं।

दूसरी ओर, गर्भपात विरोधी समूह इन प्रयोगों का विरोध करते आए हैं। उनका कहना है कि ये कोशिकाएं मानव भ्रूण को नष्ट करके ही प्राप्त की जा सकती हैं। इस विरोध के चलते अधिकांश प्रयोग वयस्क स्टेम कोशिकाओं के साथ किए जाते रहे हैं। अमरीकी राष्ट्रपति बुश ने भी इस पर रोक लगाई थी।

लैंज़ा कहते हैं कि इस उपचार का उद्देश्य अंधत्व को खत्म करना नहीं है, बल्कि इसे कम करना या इसकी रोकथाम करना है। अलबत्ता, उक्त प्रयोगों से यह प्रमाण मिलता है कि स्टेम कोशिकाओं से उपचार सुरक्षित है और आगे भी उपचार में इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

***(स्रोत फीचर्स)***